प्रारंभिक संबोधन

माननीय सदस्यगण,

सर्वप्रथम, मैं आप सभी का इस महत्वपूर्ण बजट सत्र में स्वागत करता हूँ । एक माह तक चलने वाला यह सत्र बिहार के आर्थिक, सामाजिक और विकास संबंधी नीतियों के निर्धारण का एक महत्वपूर्ण मंच होगा । हमारी जिम्मेदारी है कि इस सत्र को सार्थक और उपयोगी बनाएं, ताकि प्रदेश की जनता की अपेक्षाओं को पूरा किया जा सके ।

यह सत्र मुख्य रूप से बजट प्रस्तावों, राज्य की वित्तीय स्थिति, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं विकास संबंधी अन्य विषयों पर केंद्रित रहेगा ।

विधान सभा लोकतंत्र का पवित्र मंदिर है, जहां जनहित से जुड़े विषयों पर गहन विचार-विमर्श होता है । मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि सदन की मर्यादा और गरिमा को बनाये रखें । स्वस्थ बहस और तर्क-वितर्क लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा है, लेकिन यह आवश्यक है कि चर्चा मर्यादित और परिणामपरक हो । मैं सभी सदस्यों से अपील करता हूँ कि वे अपने बहुमूल्य सुझाव और विचार सदन में रखें ताकि जनहित में ठोस निर्णय लिए जा सके । साथ ही मैं सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध करता हूँ कि वे सदन में अनुशासन और शिष्टाचार बनाए रखें । किसी भी मुद्दे पर असहमति को तर्कसंगत और मर्यादित भाषा में प्रस्तुत किया जाए, जिससे सदन की गरिमा बनी रहे ।

माननीय सदस्यगण, पिछले दिनों बिहार में विधायी निकायों का सबसे बड़ा सम्मेलन यहाँ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ । आप सबकी

सहभागिता ने इसे ऊंचाई प्रदान की । संवैधानिक मूल्यों और उन्हें आम जन तक पहुँचाने में विधान सभा की भूमिका पर विमर्श हुए । विधायी संस्थाओं में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर सर्वम्मति बनी । राज्यों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने राज्यों की संसदीय प्रक्रियाओं को साझा किया । परिणाम काफी पॉजिटिव रहा ।

मैं माननीय मुख्यमंत्री और राज्य सरकार को हृदय से धन्यवाद देता हूँ कि उनके सहयोग से यह आयोजन बिना किसी बाधा के पूर्ण हुआ । बिहार की छवि पूरे देश में निखरी है । मुझे देश के विभिन्न राज्यों से पत्र आ रहे हैं । सभी बिहार की भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहे हैं ।

मैं इस सदन में मौजूद राज्य सरकार के मंत्रिपरिषद के सात नए माननीय मंत्रीगण का हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ और आशा करता हूँ कि अपनी नई भूमिका में वे सदन के प्रति अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाएंगे । साथ ही, मैं आप सभी से अनुरोध करता हूँ कि सदन में प्रक्रिया नियमावली के तहत अपनी बातों को उठाएं । मैं सभी सदस्यों की बात सुनूंगा और यह सुनिश्चित करूंगा कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले । मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस सत्र संचालन में मुझे आप सबका भरपूर सहयोग मिलेगा ।

माननीय सदस्यगण, अब कल तो सदन की बैठक नहीं है और कल हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी का जन्मदिन है इसलिए मैं अपनी और सदन की ओर से उन्हें आज ही बधाई देता हूँ और अपनी हार्दिक शुभकामना व्यक्त करता हूँ ।

धन्यवाद ।